समुद्री स्थानिक योजना ढाँचा

प्रलिम्सि के लिये:

MSP ढाँचा, ब्लू इकॉनमी, विशेष आर्थिक क्षेत्र।

मेन्स के लिये:

सरकार की नीतियाँ एवं हस्तक्षेप, महासागरों का महत्त्व, भारत-नॉर्वे सहयोग

चर्चा में क्यों?

पुद्दुचेरी ने भारत-नॉर्वे एकीकृत महासागर पहल के तहत एक समझौते के हिस्से के रूप में देश की **पहली समुद्री स्थानिक योजना (MSP) का ढाँचा** निर्धारित किया है।

- भारत और नॉर्वे के बीच वर्ष 2019 के समझौता ज्ञापन (MoU) के बाद **पुद्दुचेरी और लक्षद्वीप** के **समुद्र तटों को MSP पहल के लिये** चुना गया था।

समुद्री स्थानिक योजना:

- MSP एक **पारिस्थितिकी तंत्र आधारित स्थानिक नियोजन प्रक्रिया** है जो वर्तमान और पूर्वानुमानित महासागर एवं तटीय उपयोगों का विश्लेषण करके **विभिन्न गतिविधियों के लिये सबसे उपयुक्त क्षेत्रों की पहचान** करती है।
- यह समाज को सार्वजनिक नीति प्रक्रिया प्रदान करती है ताकि यह निर्धारित किया जा सके कि **समुद्र एवं तटों को वर्तमान और भविष्य की पीढ़ियों हेतु निरंतर उपयोग के लिये संरक्षित किया जाए।**

ढाँचे के संदर्भ में:

- **पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय नेशनल सेंटर फॉर कोस्टल रिसर्च (NCCR),** [राष्ट्रीय सतत् तटीय प्रबंधन केंद्र](#) **(National Centre for Sustainable Coastal Management- NCSCM)), पुद्दुचेरी कोस्टल ज़ोन मैनेजमेंट अथॉरिटी** और **विज्ञान, प्रौद्योगिकी तथा पर्यावरण विभाग, पुद्दुचेरी** द्वारा नॉर्वेजियन पर्यावरण एजेंसी के सहयोग से MSP के कार्यान्वयन की देख-रेख की जाती है।
- तटीय क्षेत्रों में आर्थिक और सामाजिक विकास को बढ़ावा देने के उद्देश्य से दोनों देशों ने **समुद्री संसाधनों के सतत् उपयोग** के लिये निरंतर सहायता प्रदान करने पर सहमति जताई है।
- **लक्षद्वीप और पुद्दुचेरी** में प्रायोगिक परियोजना के सफल कार्यान्वयन के बाद **इस ढाँचे को देश के अन्य तटीय क्षेत्रों में लागू किया जा सकता है।**

MSP ढाँचे का महत्त्व:

- **पारिस्थितिकी तंत्र-आधारित दृष्टिकोण:** इसका उद्देश्य सामाजिक समता और समावेश के सिद्धांतों के अनुरूप एक साथ समुद्र के स्वास्थ्य एवं आर्थिक विकास को बढ़ाना है।
- **महत्त्वपूर्ण सरकारी उपकरण:** यह **पर्यावरणीय रूप से अस्थिर "ब्राउन इकोनॉमी" के बजाय सतत् और न्यायसंगत** महासागर संसाधन प्रबंधन की विशेषता वाली [ब्लू इकॉनमी](#) **के उद्भव को सुनिश्चित करने हेतु एक उपकरण** है।
- **परस्पर विरोधी हितों को संतुलित करने का उपकरण:** इसका उपयोग **तटीय भूमि और समुद्री जल के उपयोग के संदर्भ में मछुआरा समुदायों की आजीविका संबंधी चिंताओं के साथ पर्यटन विकास की मांगों को संतुलित करने** के लिये किया जा सकता है।
- **ब्लू इकॉनमी** नीति **के अनुरूप:** यह नीति **समुद्री जैवविविधता को संरक्षित करते हुए सकल घरेलू उत्पाद में तटीय क्षेत्रों के योगदान को बढ़ाने** का प्रयास करती है।
    - वर्तमान में **ब्लू इकॉनमी भारत की अर्थव्यवस्था का 4.1% है।**

- **वशािल तटरेखा:** लगभग 7500 कलिोमीटर की तटरेखा के साथ पर्यावरणीय ज़म्मिेदारयिों और आर्थकि वकिास के अवसरों के संबंध में भारत की एक अनूठी समुद्री स्थति है।

[सरोत: द हदिू]

PDF Refernece URL: https://www.drishtiias.com/hindi/printpdf/marine-spatial-planning-framework